तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, मंगलवार 13 अक्टूबर 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

10 आधार में सुधार का 25 रुपए शुल्क बढ़ा



11 बुर्कलंका में 8 पंचायतों के हजारों ग्रामीण जुटे



नवरात्रि विशेष



तृतीय : चंद्रघंटा

मां दुर्गा का तीसरा शक्ति स्वरुप है चंद्रघंटा। नवरात्रि के तीसरे दिन मां के इसी रुप का पूजन होता है। माता का यह रुप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इनके माथे पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र है। इसी से इन्हें चंद्रघंटा देवी कहा जाता है। इनके शरीर का वर्ण सोने के समान है। उनके दस हाथ हैं। इनका वाहन सिंह है। इनकी पूजा से भक्तों में वीरता, निर्भयता और विनम्रता आती है। नवरात्रि के तीसरे दिन की पूजा का अत्यधिक महत्व माना जाता है। हमें मन-वचन-कर्म और काया की विधि विधान के अनुसार पवित्र करके ही मां की पूजा करनी चाहिए। इससे संसार के सारे कष्ट मिटते हैं और साधक को मोक्ष की प्राप्ति होती है। तीसरे नवरात्र को भक्त का मन मणिपुर चक्र में प्रविष्ट होता है। मां की कृपा से उसे अलौकिक वस्तुओं की प्राप्ति होती है। विविध प्रकार की ध्वनियां सुनाई देती है। मां की कृपा से सारे पाप और संकट दूर होते हैं। इनके घंटे की आवाज प्रेत बाधाओं से सदा भक्तों की रक्षा करती है। मां चंद्रघंटा के भक्त जहां भी जाते हैं। उन्हें देखकर अन्य व्यक्ति सुख और शांति का अनुभव करते हैं। मां अपने आशीर्वाद से भक्तों को सदैव शुभफल देने वाली है। माता के इस रुप की आराधना का मंत्र इस प्रकार है। पिंडजप्रवारुढ़ा चंडकोपास्त्रकैर्युता। प्रसादं तनुते महाचंद्रघंटेति विश्रुता ।।

मावली माता मंदिर में जोगी बिठाई की रस्म पूरी, तपस्या में बैठे जोगी

मां दंतेश्वरी से बस्तर दशहरा निर्विघ्न संपन्न होने और अंचल की सुख-समृद्धि की कामना करेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा के अंतर्गत सोमवार को ऐतिहासिक जोगी बिठाई की रस्म पारंपरिक विधि-विधान और लोक आस्था के साथ की गई। जोगी की 9 दिवसीय कठिन तपस्या शुरू हो गई। हल्बा समुदाय के युवक रघुनाथ नाग ने मां दंतेश्वरी के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए बस्तर दशहरा निर्विघ्न संपन्न होने तथा बस्तर अंचल में सुख, शांति और समृद्धि की कामना के साथ साधना का संकल्प लिया। मावली माता मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद मोहरी बाजा की धुन के बीच जोगी को सिरहासार भवन लाया गया, जहां निर्धारित कुंड में उन्हें विधिवत ⏭ शेष पेज 10 पर



सांसद ने रथ निर्माण स्थल पर किया श्रमदान

बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष और सांसद महेश कश्यप सिरहासार भवन पहुंचे। इस स्थल पर झारउमरगांव के पारंपरिक ग्रामीण शिल्पकार विशाल रथ के निर्माण कार्य में जुटे हुए हैं। निर्माण स्थल पर पहुंचकर कारीगरों का हौसला बढ़ाया और उन्हें वस्त्र वितरित कर सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने खुद भी औजार थामकर रथ निर्माण में हाथ बंटाते हुए श्रमदान किया। एक जनप्रतिनिधि के तौर पर केवल औपचारिक निरीक्षण करने के बजाय निर्माण कार्य में सीधे भागीदार बनने का उनका यह अंदाज हर किसी का ध्यान खींचने वाला रहा। दरअसल सांसद को बढ़ईगिरी, मकान निर्माण, मैकेनिक और मूर्तिकला जैसे व्यावहारिक हस्तकौशल का पुराना और गहरा अनुभव है। उन्होंने अपने स्वयं के घर के निर्माण से लेकर खिड़की, दरवाजे और पलंग तक का काष्ठ कार्य खुद किया है। अपने इसी जमीनी हुनर के चलते वे झारउमरगांव के कारीगरों के बीच पूरी सहजता से घुलमिल गए और उनके साथ लकड़ी तराशने के काम में जुट गए। बस्तर दशहरा की मूल पहचान यहां की जीवंत लोक परंपराओं, सामूहिक सहभागिता और पीढ़ियों से चली आ रही शिल्पकला में निहित है, जिसे झारउमरगांव के कारीगर सदियों से निष्ठापूर्वक आगे बढ़ा रहे हैं। ऐसे में सांसद का कारीगरों के बीच पहुंचकर उनका सम्मान करना और स्वयं पसीना बहाकर श्रमदान करना, बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोककला और श्रम के प्रति उनके गहरे सम्मान तथा आत्मीय जुड़ाव को दर्शाता है।



चार पीपीसीएम व दो पार्टी मेंबर पर था 35 लाख का इनाम घोषित

ओडिशा में सक्रिय चार माओवादी समेत छह ने किया समर्पण

बीजापुर में एसपी के समक्ष किया समर्पण, समर्पण में डीआरजी व सीआरपीएफ की अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

ओडिशा व महाराष्ट्र के कई मुठभेड़ों में शामिल चार खूंखार नक्सलियों समेत छह ने सोमवार को बीजापुर पुलिस के समक्ष समर्पण कर दिया। समर्पित नक्सलियों पर 35 लाख का इनाम घोषित था। ओडिशा राज्य में सक्रिय 4 माओवादी कैडरो सहित पश्चिम बस्तर डिवीजन के संगठन छोड़कर फरार 2 माओवादी ने सोमवार को हिंसा का रास्ता छोड़ बीजापुर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है।

- ओडिशा व महाराष्ट्र के कई मुठभेड़ में थे शामिल
- 8-8 लाख के इनामी नक्सली

आत्मसमर्पण करने वाले 6 माओवादी कैडरों में 4 पीपीसीएम व 2 पार्टी मेंबर रैंक के माओवादी शामिल हैं, जिन पर 35 लाख का इनाम घोषित था। छग शासन की नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति व सुरक्षा बलों द्वारा लगातार संचालित नक्सल विरोधी अभियानों तथा बीजापुर जिले में पुनर्वास एवं कौशल विकास कार्यक्रमों से प्रभावित होकर माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया। सुरक्षा बलों द्वारा लगातार किए जा रहे संपर्क एवं आपसी समन्वय के सकारात्मक परिणामस्वरूप इन माओवादी कैडरों ने डीआरजी बीजापुर एवं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सहयोग से बीजापुर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। सुरक्षा बलों के बढ़ते प्रभाव, संगठन के विघटन की स्थिति, संगठन की हिंसक एवं जनविरोधी विचारधारा से मोहभंग, पूर्व माओवादी कैडरों के सफल पुनर्वास तथा आदिवासी क्षेत्रों में तेजी से हो रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर उन्होंने हिंसा का मार्ग त्यागकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का निर्णय लिया। समर्पण करने वाले नक्सलियों में 8-8 लाख रूपए ⏭ शेष पेज 10 पर



समर्पित नक्सलियों को मिलेगा शासन की योजनाओं का लाभ

आत्मसमर्पण करने वाले सभी कैडरों को छग शासन की नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के अंतर्गत नियमानुसार आर्थिक सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, आवास, शिक्षा, स्वरोजगार एवं रोजगार से संबंधित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। आत्मसमर्पण की सफलता में डीआरजी बीजापुर, सीआरपीएफ 170 वी बटालियन तथा बीजापुर पुलिस के बीच बेहतर समन्वय, विश्वास निर्माण एवं संवेदनशील कार्यशैली की महत्वपूर्ण भूमिका रही।
- उमेश प्रसाद गुप्ता एसपी, बीजापुर

समर्पित नक्सली इन घटनाओं में थे शामिल

समर्पण करने वाले नक्सली कई बड़ी घटनाओं व मुठभेड़ में शामिल थे। इन घटनाओं में अक्टूबर 2017 में महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस-माओवादी मुठभेड़ की घटना, अप्रैल 2018 में ओडिशा में मतदान दल पर हमला जिसमें 2 जवान शहीद, 8 जुलाई 2022: ओडिशा के ताराजार जंगल में पुलिस अभियान की घटना, अप्रैल 2024 में ओडिशा में माओवादी अस्थायी कैंप के विरुद्ध पुलिस अभियान की घटना, वर्ष 2016 में नेशनल पार्क एरिया कमेटी अंतर्गत ग्राम गुंडम मुठभेड़, वर्ष 2023 में ओडिशा राज्य अंतर्गत ग्राम कारीपानी मुठभेड़ में, अगस्त 2023 में ओडिशा राज्य अंतर्गत ग्राम नागेश मुठभेड़, 15 नवंबर 2023 में ओडिशा राज्य अंतर्गत ग्राम सोनाबेड़ा मुठभेड़, अप्रैल 2024 में ओडिशा राज्य अंतर्गत ग्राम पीपलकुट्टा मुठभेड़, 25 दिसम्बर 2025 में ओडिशा राज्य अंतर्गत ग्राम रम्भा मुठभेड़, 22 फरवरी 2026 ओडिशा राज्य अंतर्गत ग्राम कोरोड़ा मुठभेड, वर्ष 2016 में ग्राम चेरली सीआरपीएफ कैंप पर हमला, वर्ष 2024 में ग्राम तेकुलगुडा सीआरपीएफ कैंप हमला, अप्रैल 2021 ग्राम तेकुलगुडा घटना, वर्ष 2022 ग्राम एलमागुंडा कैंप अटैक, वर्ष 2022 में तेलंगाना सुकमा बीजापुर बॉर्डर में स्थित ग्राम सन्नापुर कैंप अटैक तथा मार्च 2023 में सुकमा जिला अंतर्गत ग्राम गुंडराज गुड्डा कैंप अटैक में शामिल थे।

पालाचलमा के जंगलों में नक्सली डम्प से 13 हथियार और 208 डेटोनेटर बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा



जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षा बलों को सफलता मिली है। किस्टाराम थाना क्षेत्र के पालाचलमा गांव के जंगल-पहाड़ी इलाके में चलाए गए सर्चिंग अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने नक्सलियों द्वारा पूर्व में छिपाकर रखे गए डम्प का पता लगाकर भारी मात्रा में हथियार, जिंदा कारतूस, विस्फोटक सामग्री और संचार उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, बरामद सामग्री में कुल 13 हथियार, 208 नॉन इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, बीजीएल लांचर, इंसास मैगजीन और विभिन्न प्रकार के कारतूस शामिल हैं। यह कार्रवाई आत्मसमर्पित नक्सलियों से प्राप्त खुफिया जानकारी के आधार पर की गई। अभियान में जिला बल, डीआरजी और बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम शामिल रही। पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में दुर्गम जंगलों और पहाड़ी क्षेत्रों में एरिया डोमिनेशन एवं सर्चिंग अभियान चलाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नक्सल ऑप्स) रोहित शाह के मार्गदर्शन में 12 अक्टूबर को संयुक्त अभियान संचालित किया गया।सुबह सर्चिंग के दौरान टीम को नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए डम्प का पता चला। इसके बाद इलाके की तलाशी ली गई, जिसमें सामान बरामद हुआ।

बीजीएल लांचर और देशी हथियार बरामद

पुलिस द्वारा जारी सूची के अनुसार, बरामद हथियारों में दो .303 रायफल, एक सिंगल शॉट हथियार, चार बीजीएल लांचर, तीन 12 बोर रायफल, 2 भरमार बंदूक और एक देशी कट्टा शामिल हैं। इसके अलावा इंसास मैगजीन तीन मिली हैं, जिनमें 26 जिंदा राउंड बताए गए हैं। 12 बोर के 20 जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं। डम्प में 1 तीर बम और 2 बीजीएल सेल भी मिले हैं।

208 डेटोनेटर सहित संचार उपकरण जब्त

हथियारों और कारतूसों के अतिरिक्त तलाशी के दौरान 208 नॉन इलेक्ट्रिक डेटोनेटर बरामद किए गए। इनके साथ एक वायरलेस सेट, दो वायरलेस चार्जर और एक मैगजीन पाउच भी मिला है। बरामद सामग्री में .303 रायफल के दो खाली खोखे, इंसास रायफल के 2 खाली खोखे, एके-47 रायफल के 3 खाली खोखे और 12 बोर के 2 खाली खोखे भी शामिल हैं। पुलिस ने सभी सामग्री को जब्त कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की है।

खबर संक्षेप



नवरात्रि पर पदयात्री सेवा केंद्र का शुभारंभ

जगदलपुर। शारदीय नवरात्रि पर श्रद्धालुओं की सेवा हेतु अभिषेक राव एवं केवीआर ब्रदर्स द्वारा तितली गार्डन पंडरीपानी में 9 दिन तक चलने वाले नवरात्रि पदयात्री सेवा केंद्र का शुभारंभ सांसद महेश कश्यप, छ.ग बेवरेज को. अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी एवं बस्तर चैंबर ऑफ़ कॉमर्स श्याम सोमानी द्वारा किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि नवरात्रि में इस तरह का पदयात्रा सेवा केंद्र लगाना सराहनीय कार्य है। इससे माता के दर्शन करने आने वाले भक्तों को सुविधा मिलेगी।सेवा केंद्र में श्रद्धालुओं के लिए शीतल जल की व्यवस्था है। व्रतधारी भक्तों के लिए फलाहार, प्राथमिक चिकित्सा एवं दवाइयों की व्यवस्था और विषेश रुप से माता के दर्शन हेतु आने वाली महिलाओं एवं बुजुर्गों के लिए बैठने की व्यवस्था एवं भंडारे की व्यस्था की गई है। इस दौरान अभिषेक राव, केवी आर ब्रदर्स, श्रीधर मद्दी, रघुवंश यादव, रीतेश सविती, वासुदेव राव, केशव राव, गावस्कर राव, राजू राव, हनुमंत राव, मद्दी सप्तगिरि, अनिल, अजित मौजूद थे।

भानपुरी थाना क्षेत्र के सोनारपाल के करीब आबकारी टीम ने की कार्रवाई

सवा लाख की शराब जब्त, मिलाई का तस्कर गिरफ्तार, एक फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आबकारी की टीम ने मिलाई के तस्कर को गिरफ्तार कर 20 पेटी शराब जब्त किया है। जब्त शराब की कीमत 1 लाख 28 हजार रूपए आंकी गई है। शराब तस्करी की सूचना पर जिला आबकारी अधिकारी अमन सिंह के मार्गदर्शन में टीम ने भानपुरी थाना क्षेत्र के कुंभारपाल चौक के पास नाकाबंदी कर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान 180 लीटर विदेशी शराब से भरी टाटा आरिया गाड़ी जब्त की गई। जब्त शराब की बाजार कीमत करीब 1 लाख 28 हजार रुपये बताई गई है वहीं वाहन की कीमत करीब 7 लाख रुपये आंकी गई है। आबकारी टीम की नाकाबंदी को देखकर वाहन चालक वाहन मोड़कर भागने लगा। टीम ने पीछा करते हुए रायपुर-जगदलपुर मार्ग पर ग्राम सोनारपाल के बोर्ड के पास वाहन को रोक लिया लेकिन चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। मौके पर मौजूद दूसरे व्यक्ति से पूछताछ में उसकी पहचान देवेंद्र कुमार जांगड़े 33 वर्ष निवासी सुपेला भिलाई जिला दुर्ग के रूप में हुई। उसने वाहन में शराब होने की बात स्वीकार की। पूछताछ में बताया गया कि वाहन में जोगेंद्र कश्यप उर्फ जोगी शराब लोड कर परिवहन कर रहा था। वाहन की तलाशी लेने पर पीछे की सीट पर पांच कार्टून और डिक्की में 15 कार्टून मिले। इनमें कुल 20 कार्टूनों में 1000 बोतल शराब जब्त किया गया। जब्त शराब पर गोवा स्पिरिट्स ऑफ स्मूथनेस ब्रांड का लेबल लगा था जो मध्यप्रदेश में निर्मित थी और बिक्री के लिए नॉन ड्यूटी पेड थी।

आबकारी विभाग ने मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क), 34(2), 36 और 59-क के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया ⏭ शेष पेज 10 पर



बस्तर दशहरा का विजय रथ 600 साल पुरानी परंपरा, बिना कील और मशीन के होता है तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा अपनी अनूठी जनजातीय परंपराओं के लिए दुनियाभर में अलग पहचान रखता है। यहां दशहरा भगवान राम की रावण पर विजय के उत्सव से अलग, आराध्य देवी मां दंतेश्वरी की आराधना और आदिवासी संस्कृति का महापर्व है। इस पर्व की सबसे आकर्षक परंपराओं में विशाल रथ का संचालन शामिल है। खास बात यह है कि बस्तर दशहरा में चलने वाले रथ 1 नहीं, बल्कि 2 प्रकार के हैं। इनमें 8 पहियों वाला विशाल रथ विजय रथ कहलाता है, जो भीतर रैनी और बाहर रैनी को चलता है। लगभग 600 साल पुरानी इस परंपरा में आस्था, शिल्पकला और पुश्तैनी अधिकार का अनूठा संगम देखने को मिलता है। लोकमान्यता के अनुसार, बस्तर के राजा पुरुषोत्तम देव भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए जगन्नाथ पुरी की यात्रा पर गए थे। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हें रथपति की उपाधि और विशाल रथ प्राप्त हुआ। मान्यता है कि इस रथ में 16 पहिये थे। बस्तर तक इतने विशाल रथ को लाना और उसका संचालन करना व्यावहारिक नहीं था। इसलिए इसे 3 हिस्सों में विभाजित किए जाने की परंपरा प्रचलित है।इनमें 4 पहियों वाला रथ जगन्नाथ की गोंचा परंपरा से जुड़ा, जबकि 4 पहियों वाला फूल रथ और 8 पहियों वाला विजय रथ बस्तर दशहरा की विशिष्ट पहचान है। फूल रथ नवरात्रि के दौरान 6 दिनों तक चलता है। वहीं ⏭ शेष पेज 10 पर



पारंपरिक काष्ठ शिल्प का उत्कृष्ट उदाहरण

फूल रथ का नाम उसकी सजावट से जुड़ा है, जबकि विजय रथ विजय और शक्ति का प्रतीक माना जाता है।विजय रथ का निर्माण पारंपरिक काष्ठ शिल्प का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसके निर्माण में मुख्य रूप से साल की लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है। आवश्यकता के अनुसार बीजा और सागौन जैसी लकड़ियों का भी उपयोग हो सकता है। निर्माण के लिए लकड़ी स्थानीय वन क्षेत्रों से जुटाई जाती है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार, इसके लिए लगभग 55 घन मीटर लकड़ी की जरूरत पड़ती है, जिसे कई ट्रकों के माध्यम से लाया जाता है। इस विशाल रथ को तैयार करने में लगभग 15 दिन लगते हैं। कारीगर पारंपरिक औजारों, जैसे कुल्हाड़ी और बसूले की मदद से लकड़ी को आकार देते हैं। इसकी बनावट में पारंपरिक जोड़ और लकड़ी को आपस में फंसाने की तकनीक महत्वपूर्ण होती है। निर्माण प्रक्रिया में लोहे की कीलों और आधुनिक मशीनों के बजाय पारंपरिक कौशल को प्राथमिकता दिए जाने की मान्यता है।

आयोग की कार्यप्रणाली का कांग्रेस ने किया विरोध

चुनाव आयुक्त का पुतला फूंककर कांग्रेस ने उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बस्तर

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और कथित गड़बड़ियों के खिलाफ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं ब्लॉक युवा कांग्रेस कमेटी द्वारा संयुक्त रूप से भानपुरी मुख्य चौक पर प्रदर्शन किया गया। अध्यक्ष धनुर्जय नेताम के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस व युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका और चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारे लगाए।

प्रदर्शन के दौरान नेताम ने चुनाव आयोग की कार्यशैली की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आज देश में लोकतंत्र और संविधान के मूल स्वरूप के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। चुनाव जैसी निष्पक्ष संवैधानिक संस्थाओं पर से जनता का भरोसा लगातार उठ रहा है, जो हमारे लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक चंदन कश्यप ने भी चुनाव आयोग की भूमिका पर कड़े सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश की तमाम लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग निष्पक्ष रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहा है, जिसके विरोध में कांग्रेस पार्टी और युवा कांग्रेस सड़क पर उतरकर आर-पार की लड़ाई लड़ेगी।



पुतला दहन और नारेबाजी

सभा के पश्चात आक्रोशित कांग्रेस और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भानपुरी मुख्य चौक पर मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला दहन किया। इस उग्र प्रदर्शन के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था सुनिश्चित नहीं होती, तब तक यह विरोध प्रदर्शन निरंतर जारी रहेगा। इस दौरान प्रेमशंकर शुक्ला, लक्ष्मण कश्यप, निलय कश्यप, धर्मा पाढ़ी, अभिषेक बाजपेयी, देवेंद्र कोर्राम, बबलू बघेल, सत्यकांत कश्यप, श्यामकुमारी ध्रुव, सुखराम पोयाम, जीवन सेठिया, वरुण सेठिया, अनिल बघेल सहित अन्य कांग्रेसी उपस्थित रहे। प्रदर्शन में ब्लॉक युवा कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने युवाओं का जोश भरते हुए कहा कि युवा वर्ग अब चुप नहीं बैठेगा। लोकतंत्र और चुनावी पारदर्शिता की रक्षा के लिए युवा कांग्रेस हर मोर्चे पर संघर्ष करने के लिए तैयार है। यदि चुनाव आयोग अपनी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं लाता है, तो युवा कांग्रेस पूरे प्रदेश में उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।



खबर संक्षेप



बड़ेडोंगर जलाशय में सफाई और संरक्षण कार्य

फरसगांव। सेवा संकल्प अभियान के तहत सोमवार को बड़ेडोंगर जलाशय क्रमांक-02 का तकनीकी निरीक्षण कर साफ-सफाई एवं संरक्षण कार्य किया गया। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देश पर जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने जलाशय के कैचमेंट क्षेत्र, बांध, सीपेज क्षेत्र और नहरों का निरीक्षण किया। इस दौरान जनभागीदारी से जलाशय परिसर की साफ-सफाई भी की गई। कार्यक्रम का आयोजन कार्यपालन अभियंता आर.एल. धीवर के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पी.एल. सोनवानी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर बड़ेडोंगर की सरपंच चंद्रवती पुजारी, समिति अध्यक्ष फरसु राम राणा, उपाध्यक्ष पीलू दास कुलदीप, पंच रामशिला नेताम, हेमंत पुजारी तथा फरसगांव के सब इंजीनियर संतोष तामो सहित जल संसाधन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कबोंगा के स्वास्थ्य शिविर में 210 मरीजों की जांच



फरसगांव। सेवा संकल्प अभियान के तहत 12 अक्टूबर को ग्राम पंचायत कबोंगा में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. ज्योतिर्मयी प्रभावती के निर्देशानुसार आयोजित शिविर में कुल 210 मरीजों की जांच कर उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया। शिविर में 86 मरीजों की बीपी और 86 की शुगर जांच, 42 की हीमोग्लोबिन जांच तथा 16 मरीजों की मलेरिया जांच की गई, जिसमें एक मरीज की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली। इसके अलावा सर्दी-खांसी के 22 और अन्य बीमारियों के 44 मरीजों की जांच की गई। इस दौरान डॉ. तुषार चंद्रवंशी, डॉ. सपना सराटी, एम.आर. बघेल, धनीराम नेताम, सीएचओ रश्मि कुरेटी व मंजू शोरी, आरएचओ विश्वनाथ यादव व सुलोचना मरकाम, एएनएम अनु सुईया नेताम, अमिता केमरो व रेवती नेताम तथा चिरायु फार्मासिस्ट नेहा नेताम सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम उपस्थित रही।

शिप्रा विद्यालय के 80 छात्रों का नेत्र परीक्षण



केशकाल। शिप्रा विद्यालय के 80 छात्र-छात्राओं का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केशकाल में सोमवार को नेत्र परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान 8 बच्चों को आगे की जांच एवं उपचार कराने के निर्देश दिए गए। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान कर उन्हें समय पर उचित उपचार उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। नेत्र परीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। समय पर नेत्र संबंधी समस्याओं की पहचान होने से बच्चों को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलती है और भविष्य में होने वाली परेशानियों से बचाव की दिशा में भी कदम उठाया जा सकता है। इस परीक्षण में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केशकाल के नेत्र सहायक नखलेश शोरी एवं प्रभाष दुबे का सहयोग रहा। वहीं, शिप्रा विद्यालय की शिक्षिका रश्मि अग्निहोत्री ने भी विद्यार्थियों को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए सहयोग प्रदान किया। स्वास्थ्य कर्मियों और विद्यालय की शिक्षिका के समन्वय से विद्यार्थियों की जांच की प्रक्रिया संपन्न हुई।

कोंडागांव के चांगेर ग्राम में पहली बार पहुंची बिजली : 23 घर रोशन हुए, ग्रामीणों में खुशी

जिला खनिज न्यास मद से 25.21 लाख रुपये की लागत से हुआ विद्युतीकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

जिला मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित अति दुर्गम ग्राम चांगेर में वर्षों का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया। गांव में पहली बार बिजली पहुंचने से सभी 23 परिवारों के घर रोशनी से जगमगा उठे हैं। जिला प्रशासन द्वारा जिला खनिज संस्थान न्यास डीएमएफ मद से कराए गए विद्युतीकरण कार्य से ग्रामीणों को लंबे समय बाद बिजली जैसी बुनियादी सुविधा मिली है। गांव में बिजली पहुंचने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। वर्षों बाद गांव में बिजली की सुविधा मिलने से ग्रामीणों में उत्साह और खुशी है। ग्रामवासियों ने इस पहल के लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

ग्रामीणों को वर्षों से था इंतजार

ग्राम चांगेर के ग्रामीण लंबे समय से बिजली की सुविधा से वंचित थे। शाम ढलते ही पूरे गांव में अंधेरा छा जाता था। बच्चों को लालटेन की रोशनी में पढ़ाई करनी पड़ती थी, जबकि रात के समय आवागमन और घरेलू कायोंर् में ग्रामीणों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब बिजली पहुंचने से इन समस्याओं से राहत मिलने की उम्मीद है। ग्राम चांगेर में बिजली पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिला खनिज संस्थान न्यास मद से 25 लाख 21 हजार रुपये की लागत से विद्युतीकरण कार्य कराया गया। इसके तहत गांव के सभी 23 परिवारों के घरों में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। इस कार्य से गांव के लोगों को पहली बार बिजली की सुविधा मिली है।



अंधेरे से मुक्त हुआ दुर्गम गांव

गांव में बिजली पहुंचने से बच्चों को शाम और रात के समय बेहतर रोशनी में पढ़ाई करने की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही ग्रामीणों को घरेलू कार्यों और रात्रिकालीन आवागमन में भी सहूलियत होगी। बिजली की उपलब्धता से शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और स्वरोजगार से जुड़ी गतिविधियों के विस्तार की संभावनाएं बढ़ी हैं।

ग्रामीणों के लिए बिजली पहुंचना केवल घरों में रोशनी होने तक सीमित नहीं है, बल्कि बेहतर जीवन और भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। जिला प्रशासन द्वारा दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में सड़क, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। माओवाद से प्रभावित रहे क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा की स्थिति में सुधार के साथ विकास कायोंर् को गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं। ग्राम चांगेर में विद्युतीकरण से गांव के सभी 23 परिवारों को बिजली की सुविधा उपलब्ध हुई है। यह पहल दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करने और अंतिम छोर पर बसे परिवारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जिले में 25 आधार सेवा केन्द्रों का हो रहा संचालन

आधार में सुधार का 25 रुपए शुल्क बढ़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

जिले में नागरिकों की सुविधा के लिए कुल 25 आधार सेवा केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों में नवीन आधार नामांकन, बायोमेट्रिक अपडेट तथा नाम, पता, मोबाइल नंबर और लिंग संबंधी विवरण संशोधन की सेवाएं उपलब्ध हैं। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण यूआईडीएआई द्वारा आधार नामांकन एवं संशोधन के लिए नवीन मानक संचालन प्रक्रिया लागू की गई है। कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना ने नागरिकों से निर्धारित नियमों का पालन करते हुए आवश्यक मूल दस्तावेजों के साथ आधार सेवा केंद्र पहुंचने की अपील की है।

- आधार में नाम, जन्मतिथि और अन्य विवरण सुधारने के लिए नए नियम लागू

आधार में नाम की वर्तनी सुधारने, नाम का क्रम बदलने, बीच का नाम अथवा उपनाम जोड़ने या हटाने के लिए वैध पहचान प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। ऑपरेटर की गलती से नाम गलत दर्ज होने पर 18 वर्ष से अधिक आयु के आवेदकों को अनुबंध–बी और 18 वर्ष से कम आयु वालों को अनुबंध–सी के साथ आवश्यक मूल दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। विवाह या तलाक के बाद नाम अथवा उपनाम बदलने के लिए विवाह पंजीयन प्रमाणपत्र या सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दस्तावेज के साथ अनुबंध–डी आवश्यक होगा। पूर्ण नाम परिवर्तन के लिए सरकारी राजपत्र अधिसूचना और पुराने नाम का मूल फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों की जन्मतिथि में संशोधन के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी डिजिटल एवं क्यूआर कोडयुक्त जन्म प्रमाणपत्र आवश्यक होगा। वहीं, वयस्क आवेदकों के लिए वैध डिजिटल जन्म प्रमाणपत्र अथवा मान्यता प्राप्त बोर्ड की दसवीं कक्षा की मूल अंकसूची मान्य होगी। ऑपरेटर की गलती से जन्मतिथि गलत दर्ज होने या संशोधन की निर्धारित सीमा समाप्त होने की स्थिति में आवश्यक दस्तावेजों के साथ नोटरी से सत्यापित निर्धारित अनुलग्नक प्रस्तुत करना होगा। नवीन आधार नामांकन के दौरान 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ माता या पिता में से किसी एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी। बच्चे का डिजिटल जन्म प्रमाणपत्र और अभिभावक का मूल पहचान पत्र आवश्यक होगा। दोनों दस्तावेजों में माता–पिता के नाम समान होने चाहिए।



पांच वर्ष की आयु के बाद होगा बायोमेट्रिक दर्ज

शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों के आधार नामांकन में केवल फोटो और अभिभावक का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण लिया जाएगा। पांच वर्ष से अधिक आयु होने पर बच्चे का निर्धारित बायोमेट्रिक दर्ज किया जाएगा। वयस्कों के नवीन नामांकन के लिए मान्य सरकारी फोटो पहचान पत्र और जन्मतिथि सत्यापन संबंधी दस्तावेज आवश्यक होंगे। आधार सेवा केंद्रों में केवल मूल दस्तावेज स्वीकार किए जाएंगे। फोटोकॉपी, मोबाइल स्क्रीनशॉट या सामान्य स्कैन कॉपी मान्य नहीं होगी। दस्तावेजों में काट–छांट, ओवरराइटिंग, व्हाइटनर अथवा किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए। बारकोड और क्यूआर कोडयुक्त दस्तावेजों पर लेमिनेशन नहीं कराने की सलाह दी गई है।

निर्धारित प्रपत्र केंद्रों पर निःशुल्क उपलब्ध

नाम और जन्मतिथि सुधार सहित विभिन्न संशोधनों के लिए निर्धारित प्रपत्र आधार सेवा केंद्रों पर निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आवश्यकता के अनुसार आवेदक निर्धारित प्रारूप को स्टाम्प पेपर पर तैयार कराकर अधिकृत नोटरी से सत्यापित करवा सकते हैं। नामांकन अथवा संशोधन के बाद संचालक से पहचान संख्या वाली पावती पर्ची अवश्य प्राप्त करने को कहा गया है। आधार सेवाओं के लिए निर्धारित शुल्क के अनुसार नवीन आधार नामांकन निःशुल्क है। पांच और पंद्रह वर्ष की आयु पर अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट भी निःशुल्क होगा। नाम, पता, मोबाइल नंबर अथवा लिंग संबंधी विवरण अपडेट कराने के लिए 75 रुपये तथा फोटो सहित पूर्ण बायोमेट्रिक अपडेट के लिए 125 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है।

जिले के इन 25 स्थानों पर मिलेंगी आधार सेवाएं

जिले में ग्राम पंचायत बाँसकोट, बड़ेराजपुर, ईरागांव, तेंदुभाटा, धनोरा, मुलमुला, घोड़ागांव, सोनाबाल, मर्दापाल, बड़े कनेरा, अनंतपुर, रंधना, माकड़ी और लंजोड़ा में आधार सेवा केंद्र संचालित हैं। इसके अलावा तहसील कार्यालय विश्रामपुरी, केशकाल, मर्दापाल, कोण्डागांव और फरसगांव, जनपद पंचायत केशकाल, कलेक्टर कार्यालय कोण्डागांव, नगर पालिका कोण्डागांव, नगर पंचायत फरसगांव, उप–तहसील कार्यालय बड़े डोंगर तथा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय माकड़ी में भी आधार संबंधी सेवाएं उपलब्ध हैं।

केशकाल में सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज स्टार्टअप शिविर



हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था केशकाल में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज उद्यमिता एवं स्टार्टअप विकास का आयोजन महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के जिला नोडल अधिकारी हिमालय सेठिया के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य दानेश्वर देवांगन एवं लगभग 40 छात्र-छात्राएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था केशकाल के विद्यार्थियों में नवाचार, एआई उद्यमिता के प्रति जागरूकता विकसित करना, छग नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2026-30 एवं स्थानीय समस्याओं के समाधान पर आधारित नवीन विचारों को प्रोत्साहित करना है। विद्यार्थियों को 23 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज में सहभागिता, स्टार्टअप आइडिया तैयार करने, आइडिया को प्रोटोटाइप में विकसित करने तथा उद्यमिता के अवसरों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को द्वारा छात्र-छात्राओं को सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज एवं नवाचार उद्यमिता विकास के संबंध में अधिक से अधिक भागीदारी करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। विरेन्द्र तान्डेकर, सहायक संचालक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कोण्डागांव द्वारा स्थानीय संसाधनों पर आधारित स्वरोजगार एवं नवाचार की संभावनाओं के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया तथा हिमालय सेठिया, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कोण्डागांव द्वारा राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज में भाग लेने हेतु प्रेरित करते हुए आभार जताया।

वन अधिकार अधिनियम और पेसा कानून का क्रियान्वयन जरूरी

कोण्डागांव में प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

वन अधिकार अधिनियम, 2006 एवं पंचायत उपबंध अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार अधिनियम यानी पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला कार्यालय के सभाकक्ष में प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में टास्क फोर्स के सदस्य कृष्णा कुमार वैष्णव और डॉ. सुबोध पाण्डेय ने संबंधित कानूनों के प्रावधानों, उनके क्रियान्वयन तथा स्थानीय स्तर पर अधिकारियों एवं समितियों की जिम्मेदारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वन अधिकार अधिनियम और पेसा कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों और सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन समितियों के पदाधिकारियों की भूमिका को सुदृढ़ करना रहा। प्रशिक्षण के दौरान वन अधिकार अधिनियम, 2006 से जुड़े प्रावधानों और उनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया पर जानकारी दी गई। अधिकारियों एवं समिति के प्रतिनिधियों को अधिनियम के उद्देश्यों, वन अधिकारों से संबंधित प्रक्रियाओं तथा स्थानीय स्तर पर इनके क्रियान्वयन में संबंधित संस्थाओं की भूमिका से अवगत कराया गया। कार्यशाला में वन अधिकारों से जुड़े विषयों को समझने और उनके क्रियान्वयन में बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इसका उद्देश्य संबंधित अधिकारियों एवं समितियों को कानून के प्रावधानों की स्पष्ट समझ प्रदान करना और उनके दायित्वों के निर्वहन में सहायता करना रहा। कार्यशाला में अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत उपबंधों के विस्तार से संबंधित पेसा कानून के प्रावधानों पर भी चर्चा की गई। प्रतिभागियों को कानून के क्रियान्वयन तथा स्थानीय स्तर पर संबंधित अधिकारियों और समितियों की जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी गई। पेसा कानून अनुसूचित क्षेत्रों में ग्रामसभा की भूमिका और स्थानीय स्वशासन से जुड़ा महत्वपूर्ण कानून है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित प्रावधानों की जानकारी, जिम्मेदारियों की स्पष्ट समझ और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय आवश्यक है। कार्यशाला का उद्देश्य भी इन विषयों पर अधिकारियों और समिति के पदाधिकारियों की समझ को मजबूत करना रहा। कार्यशाला में राज्य स्तरीय एफआरए टास्क फोर्स के सदस्य कृष्णा कुमार वैष्णव एवं डॉ. सुबोध पाण्डेय ने प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम और पेसा कानून के प्रावधानों, उनके क्रियान्वयन तथा स्थानीय स्तर पर जिम्मेदारियों से संबंधित विषयों पर प्रतिभागियों को जानकारी दी। प्रशिक्षण के माध्यम से संबंधित अधिकारियों और समितियों के प्रतिनिधियों को दोनों कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं एवं दायित्वों को समझने का अवसर मिला। कार्यशाला में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई तथा आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त तिवारी और जितेंद्र ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित थे।

रुखसाना ने काइंडनेस क्वीन और 'फर्स्ट रनर-अप' के जीते खिताब

नारायणपुर। संस्कारधानी राजनांदगांव की बेटी और प्राकृतिक संपदा से परिपूर्ण नारायणपुर की बहू रुखसाना बडगूजर ने अपनी प्रतिभा के दम पर एक बार फिर जिले और छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। हाल ही में ग्लैमर इंडिया के डिजिटल मंच पर आयोजित सौंदर्य एवं प्रतिभा प्रतियोगिता में रुखसाना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो खिताब अपने नाम किए। उन्हें 'काइंडनेस क्वीन' और 'मिसेज एलिट फर्स्ट रनर-अप' के खिताब से नवाजा गया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, परिचितों और नारायणपुर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्लैमर इंडिया के डिजिटल मंच पर आयोजित प्रतियोगिता में कुल पांच राउंड थे। इनमें पहला इंट्रोडक्शन राउंड, दूसरा टैलेंट राउंड, तीसरा रैंप वॉक राउंड, चौथा सोशल कॉज राउंड और पांचवां स्टेट प्राइड राउंड शामिल था। प्रत्येक राउंड में प्रतिभागियों को अपनी अलग-अलग खूबियों और क्षमताओं का प्रदर्शन करना था। रुखसाना बडगूजर ने इन सभी राउंड में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इंट्रोडक्शन राउंड में उन्होंने अपना परिचय प्रस्तुत किया, वहीं टैलेंट राउंड में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रैंप वॉक राउंड में व्यक्तित्व और आत्मविश्वास, सोशल कॉज राउंड में सामाजिक सरोकारों के प्रति सोच तथा स्टेट प्राइड राउंड में अपने राज्य की पहचान और गौरव को प्रस्तुत करने का अवसर मिला। रुखसाना बडगूजर इससे पहले वर्ष 2026 में 'मिसेज नारायणपुर' का खिताब भी हासिल कर चुकी हैं। अब ग्लैमर इंडिया के डिजिटल मंच पर दो और उपलब्धियां प्राप्त कर उन्होंने अपनी सफलता की यात्रा को आगे बढ़ाया है।



पेज 9 के शेष

मावली माता मंदिर ...

बैठाया गया। जोगी बिठाई की रस्म में परंपरागत रीति-रिवाजों का विशेष महत्व है। निर्धारित परंपरा के अनुसार, जोगी को नए वस्त्र धारण कराए गए। इसके बाद मांझी, चालकी और पुजारी सहित पारंपरिक पदाधिकारियों की उपस्थिति में मावली माता मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। देवी आराधना के साथ पारंपरिक तलवार की भी पूजा की गई। धार्मिक अनुष्ठानों और परंपरागत तैयारियों के बाद जोगी को मोहरी बाजा के साथ सिरहासार भवन तक लाया गया।यहां पहले से तैयार किए गए विशेष कुंड में पूजा-अर्चना और संकल्प के बाद जोगी को पालथी मारकर बैठाया गया और कुंड के चारों ओर पर्दे लगाए गए, ताकि वे एकांत में रहकर अपनी साधना कर सकें। इस तरह सदियों से चली आ रही परंपरा का निर्वहन करते हुए 9 दिवसीय तपस्या का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस दौरान महापौर संजय पांडेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि मांझी,चालकी,पुजारी और टेम्पल कमेटी के लोग और अधिकारी मौजूद थे।

ओडिशा में सक्रिय ....

के ईनामी रानी सोढ़ी उर्फ संध्या 30 वर्ष, निवासी गोरना बटटूमपारा, थाना बीजापुर, पांडो पोड़यिम उर्फ सस्मिता 28 वर्ष, निवासी नेलनार मंतूपारा, थाना ओरछा, जिला नारायणपुर, सुक्कू कुड़यिम उर्फ संतोष 27 वर्ष, निवासी सागमेटा ईमलीपारा, थाना फरसेगढ़, जिला बीजापुर, कोसा माड़वी उर्फ सतीश 30 वर्ष निवासी पोनडवाया थाना भैरमगढ़, जिला बीजापुर के अलावा 2 लाख के ईनामी पार्टी मेंबर देवे मड़कम उर्फ जन्नी 22 वर्ष निवासी सिंगनपल्ली स्कूलपारा, थाना उसूर, जिला बीजापुर व 1 लाख का ईनामी लालू ताती 25 वर्ष निवासी तोड़का गायता पारा, थाना गंगालूर जिला बीजापुर शामिल है।

सवा लाख की शराब ....

है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। वहीं फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। त्वरित कार्रवाई में आबकारी एसआई अंकित सिंह राठौर, मुख्य आरक्षक शैलेष पाण्डेय, श्याम सुन्दर केशरी, आरक्षक कविश यादव, वाहन चालक देवेन्द्र पटेल, राज बघेल एवं अश्वनी नाईक व भानपुरी पुलिस की अहम भूमिका रही।

बस्तर दशहरा का विजय ....

विजय रथ अगले 2 दिन चलता है। विजय रथ के निर्माण की सबसे खास बात यह है कि इसकी जिम्मेदारी झाड़ उमरगांव और बेड़ा उमरगांव के आदिवासी कारीगर परिवारों से जुड़ी हुई है। परंपरा के अनुसार, राजकाल में इन गांवों के बढ़ई और अन्य पारंपरिक शिल्पकार परिवारों को यह दायित्व सौंपा गया था। तभी से पीढ़ी-दर-पीढ़ी यह कला आगे बढ़ती रही है। कारीगरों के लिए यह केवल लकड़ी से रथ बनाने का काम नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का अवसर है। वे अपने पूर्वजों से सीखी तकनीकों के आधार पर विशाल लकड़ी के ढांचे को आकार देते हैं। रथ के अलग-अलग हिस्सों का संतुलन, पहियों की बनावट और जोड़ की मजबूती उनके अनुभव और कौशल की परीक्षा लेते हैं। आस्था, श्रम और सामूहिकता का प्रतीक : विजय रथ का निर्माण बस्तर की सामुदायिक परंपरा को भी सामने लाता है। निर्माण से लेकर रथ संचालन तक अनेक लोग अलग-अलग भूमिकाएं निभाते हैं। रथ जब सड़कों पर निकलता है, तो उसके साथ श्रद्धालुओं की आस्था, जनजातीय संस्कृति और सदियों पुरानी विरासत भी चलती दिखाई देती है।बस्तर दशहरा का विजय रथ इस बात का उदाहरण है कि आधुनिक तकनीक के दौर में भी पारंपरिक ज्ञान किस तरह जीवित रह सकता है। इसकी विशालता केवल पहियों और लकड़ी के ढांचे में नहीं, बल्कि उन हाथों के हुनर में है, जो पीढ़ियों से इस परंपरा को संभाले हुए हैं।

शपथ पत्र (AFFIDAVIT)

मैं, NTTESH KUMAR, पिता श्री M.R. AGRAWANI, आयु 46 वर्ष, निवासी मकान क्रमांक 142, वार्ड क्रमांक 06, NH-30, महारानी लक्ष्मीबाई वार्ड, प्राथमिक शाला देउरगांव के सामने, जिला बस्तर, छत्तीसगढ़, शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ :-
1. यह कि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूँ तथा शपथपूर्वक कथन करने हेतु सक्षम हूँ।
2. यह कि मेरे पुत्र का नाम VISHNU PUJARI है, जो उसके जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड में इसी नाम से दर्ज है।
3. यह कि मेरा पुत्र संस्कार द गुरुकुल इंटर नेशनल स्कूल चिड़ईपदर तहसील बस्तर, जिला बस्तर, छत्तीसगढ़ में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत है। उसके विद्यालय की दाखिल-खारिज पंजी में उसका नाम VISHNU AGRAWANI दर्ज हो गया है, जबकि उसके जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड में उसका सही नाम VISHNU PUJARI दर्ज है।
4. यह कि मेरे पुत्र के विद्यालयीन अभिलेखों में दर्ज नाम VISHNU AGRAWANI को संशोधित कर उसके स्थान पर सही नाम VISHNU PUJARI दर्ज किया जाना आवश्यक है, ताकि उसके समस्त शैक्षणिक अभिलेखों में नाम की एकरूपता बनी रहे।
5. यह कि उक्त नाम संशोधन हेतु यह शपथ पत्र विद्यालय के प्राचार्य/संबंधित अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है, ताकि विद्यालय की दाखिल-खारिज पंजी एवं अन्य संबंधित शैक्षणिक अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम VISHNU AGRAWANI के स्थान पर VISHNU PUJARI अंकित एवं संशोधित किया जा सके।
6. यह कि उपरोक्त समस्त कथन मेरे निजी ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं। इसमें कोई तथ्य असत्य नहीं है और न ही कोई तथ्य छिपाया गया है।

सत्यापन

मैं, NTTESH KUMAR, सत्यापित करता हूँ कि इस शपथ पत्र के अनुच्छेद क्रमांक 1 से 6 तक में वर्णित समस्त कथन मेरे निजी ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं। कोई भी तथ्य असत्य नहीं है और न ही कोई तथ्य छिपाया गया है। आज दिनांक 12-10-2026 को जगदलपुर, जिला बस्तर (छत्तीसगढ़) में सत्यापित किया।

शपथकर्ता के हस्ताक्षर

शपथ पत्र (AFFIDAVIT)

मैं, **NTTESH KUMAR**, पिता श्री **M.R. AGRAWANI**, आयु 46 वर्ष, निवासी मकान क्रमांक 142, वार्ड क्रमांक 06, NH-30, महारानी लक्ष्मीबाई वार्ड, प्राथमिक शाला देउरगांव के सामने, जिला बस्तर, छत्तीसगढ़, शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ:-
1. यह कि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूँ तथा शपथपूर्वक कथन करने हेतु सक्षम हूँ।
2. यह कि मेरे पुत्र का नाम **OJAS PUJARI** है, जो उसके जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड में इसी नाम से दर्ज है।
3. यह कि मेरा पुत्र जवाहर नवोदय विद्यालय (**JNV**), धरमपुरा, जगदलपुर, जिला बस्तर, छत्तीसगढ़ में कक्षा 9वीं में अध्ययनरत है। उसके विद्यालय की दाखिल-खारिज पंजी में उसका नाम **OJAS AGRAWANI** दर्ज हो गया है, जबकि उसके जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड में उसका सही नाम **OJAS PUJARI** दर्ज है।
4. 1. यह कि मेरे पुत्र के विद्यालयीन अभिलेखों में दर्ज नाम **OJAS AGRAWANI** को संशोधित कर उसके स्थान पर सही नाम **OJAS PUJARI** दर्ज किया जाना आवश्यक है, ताकि उसके समस्त शैक्षणिक अभिलेखों में नाम की एकरूपता बनी रहे।
5. 1. यह कि उक्त नाम संशोधन हेतु यह शपथ पत्र विद्यालय के प्राचार्य/संबंधित अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है, ताकि विद्यालय की दाखिल-खारिज पंजी एवं अन्य संबंधित शैक्षणिक अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम **OJAS AGRAWANI** के स्थान पर **OJAS PUJARI** अंकित एवं संशोधित किया जा सके।
6. यह कि उपरोक्त समस्त कथन मेरे निजी ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं। इसमें कोई तथ्य असत्य नहीं है और न ही कोई तथ्य छिपाया गया है।

शपथकर्ता

सत्यापन

मैं, **NTTESH KUMAR**, सत्यापित करता हूँ कि इस शपथ पत्र के अनुच्छेद क्रमांक 1 से 6 तक में वर्णित समस्त कथन मेरे निजी ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं। कोई भी तथ्य असत्य नहीं है और न ही कोई तथ्य छिपाया गया है। आज दिनांक 12-10-2026 को जगदलपुर, जिला बस्तर (छत्तीसगढ़) में सत्यापित किया।

शपथकर्ता

जनता की आवाज उठाने के बाद बस सेवा बहाल

नारायणपुर। अंतागढ़–नारायणपुर सड़क की बदहाली और यात्री बस सेवा बंद होने से परेशान जनता की आवाज उठाने के बाद बस सेवा बहाल हुई है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व अध्यक्ष बस्तर लोकसभा नरेन्द्र नाग ने इसे जनता के संघर्ष का सकारात्मक परिणाम बताते हुए जिला प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जब ज्ञापन और आंदोलन की चेतावनी के बाद प्रशासन हरकत में आ सकता है, तो जनता को महीनों तक परेशान क्यों होने दी गई? नरेन्द्र नाग ने कहा कि अंतागढ़–नारायणपुर मार्ग पर भारी माइंस वाहनों के आवागमन के बीच सड़क की हालत लगातार खराब होती रही। गड्ढों, धूल और कीचड़ से आम नागरिक परेशान होते रहे, यात्री बसें प्रभावित रहीं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी समय रहते स्थायी समाधान नहीं कर पाए। आखिर जनता की मूलभूत सुविधा सुनिश्चित करना किसकी जिम्मेदारी है? सड़क की स्थिति सुधरने तक भारी माइंस वाहनों के आवागमन को नियंत्रित करने के लिए नियमानुसार ठोस कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा सड़क मरम्मत और निर्माण कार्य की समय-सीमा सार्वजनिक की जाए तथा संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय हो। उन्होंने कहा आम आदमी पार्टी बस सेवा बहाल होने के बाद भी सड़क की समस्या को नजरअंदाज नहीं करेगी। जनता को राहत देना प्रशासन का एहसान नहीं, उसकी जिम्मेदारी है। यदि सड़क की मरम्मत और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आम आदमी पार्टी क्षेत्रवासियों के साथ आंदोलन तेज करेगी।





विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

जिया डेरा में पदयात्री सेवा केंद्र का शुभारंभ



जगदलपुर। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मां दंतेश्वरी के दर्शन के लिए दंतेवाड़ा जाने वाले पदयात्रियों की सेवा के उद्देश्य से बस्तर जिला आंध्र समाज द्वारा जिया डेरा में पदयात्री सेवा केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस सेवा केंद्र का शुभारंभ नवरात्रि के प्रथम दिन महाराजा कमलचंद भंजदेव ने पूजा-अर्चना कर किया। इस दौरान समाज के अध्यक्ष जयंत नायडू सहित पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

बीजापुर। जनपद पंचायत बीजापुर के सभा कक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नम्रता चौबे की अध्यक्षता में विभिन्न शासकीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए ग्राम पंचायत सचिवों, रोजगार सहायकों एवं संबंधित अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए। सीईओ नम्रता चौबे ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही न हो तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए।

आमसभा से आदिवासी अधिकारों की राजनीति को धार देने की तैयारी

बुर्कलंका में 8 पंचायतों के हजारों ग्रामीण जुटे

जल-जंगल-जमीन और पोलावरम डूबान के मुद्दे पर बस्तरिया राज मोर्चा ने उठाई आवाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा





सुकमा जिले के कोंटा ब्लॉक के बुर्कालंका गांव में रविवार को बस्तरिया राज मोर्चा की ओर से आयोजित विशाल आमसभा में आदिवासी अधिकारों के साथ क्षेत्र की राजनीति और विकास से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से उठे। आठ पंचायतों के हजारों ग्रामीणों की भागीदारी वाली इस सभा में जल-जंगल-जमीन, वनाधिकार कानून, ग्रामसभा की शक्तियों, जमीन से जुड़े विवादों और पोलावरम परियोजना के संभावित डूबान को लेकर चर्चा हुई। सभा के

- सुकमा में बड़ी सभा और पदयात्रा की तैयारी

दौरान मोर्चा ने मूल आदिवासियों को एक मंच पर लाने और उनके अधिकारों की लड़ाई को गांव-गांव तक पहुंचाने का संकल्प जताया।

इन्होंने संभाला मोर्चा

बुर्कालंका, पेंटापाड़, छोटे केड़वाल, भेज्जी, डब्बाकोंटा, मेलासुर, पलाचलमा और पोटाकपल्ली पंचायतों से महिला, पुरुष, बुजुर्ग और युवाओं के साथ पटेल, पुजारी तथा पेरमा भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। बस्तरिया राज मोर्चा के संयोजक मनीष कुंजाम, जिला प्रभारी रामा सोड़ी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष महेश कुंजाम, हड़मा मड़काम, जनपद उपाध्यक्ष मांडवी हिड़मा, इरफान खान, करतम देवा, कोसा दादा और राजेश नाग सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कुंजाम ने भाजपा-कांग्रेस की भूमिका पर उठाए सवाल

मनीष कुंजाम ने बस्तरिया राज मोर्चा के गठन के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए इसे गैर-राजनीतिक संगठन बताया। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य क्षेत्र के मूल आदिवासियों को एक मंच पर लाकर उनके जल-जंगल-जमीन, स्थानीय समस्याओं और संवैधानिक अधिकारों को लेकर संगठित आवाज उठाना है।
उन्होंने कांग्रेस और भाजपा सहित प्रमुख राजनीतिक दलों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि लंबे समय से आदिवासी हितों की अनदेखी और शोषण होता रहा है। यह उनका राजनीतिक आरोप है, जिस पर संबंधित दलों का पक्ष सामने आना बाकी है। हालांकि, सभा में इन मुद्दों को उठाने से यह स्पष्ट है कि मोर्चा आदिवासी समाज के बीच अपनी अलग पहचान बनाने और पारंपरिक राजनीतिक दलों के कामकाज पर सवाल खड़े करने की रणनीति के साथ आगे बढ़ना चाहता है।

आदिवासी अधिकारों के मुद्दों पर लामबंदी

सभा में सामने आए मुद्दों से स्पष्ट हुआ कि बस्तरिया राज मोर्चा क्षेत्र में आदिवासी अधिकारों को केंद्र में रखकर अपना जनाधार मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। अंदरूनी गांवों की समस्याओं, वनाधिकार कानून के क्रियान्वयन, ग्रामसभा के अधिकारों और जमीन से जुड़े मामलों पर चर्चा करते हुए वक्ताओं ने ग्रामीणों से एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करने का आह्वान किया। वक्ताओं का कहना था कि आदिवासी अंचल में जल-जंगल-जमीन केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि स्थानीय समाज की संस्कृति, परंपरा और पहचान से भी जुड़ा विषय है। ऐसे में ग्रामीणों के अधिकारों से संबंधित फैसलों में उनकी भागीदारी और ग्रामसभाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। राजनीतिक दृष्टि से यह सभा स्थानीय मुद्दों को संगठित जनआंदोलन का स्वरूप देने की कोशिश के रूप में भी देखी जा रही है।

पोलावरम डूबान का विषय बना मुद्दा

आमसभा में पोलावरम परियोजना से प्रभावित होने की आशंका वाले कोंटा क्षेत्र के गांवों का विषय भी प्रमुखता से उठा। मोर्चा संयोजक मनीष कुंजाम ने बताया कि उन्होंने कोंटा में डूबान क्षेत्र से जुड़े दूरला समाज के लोगों से मुलाकात कर इस विषय पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि परियोजना से प्रभावित होने वाले ग्रामीणों की जमीन, संभावित विस्थापन और भविष्य से जुड़े सवालों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। उनके अनुसार, इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों की सक्रियता भी बढ़ रही है और विभिन्न पक्ष प्रभावित क्षेत्र के लोगों से संपर्क कर रहे हैं
पोलावरम का मुद्दा कोंटा क्षेत्र के लिए केवल विकास परियोजना का प्रश्न नहीं, बल्कि संभावित विस्थापन, आजीविका, जमीन और पुनर्वास से जुड़ी चिंताओं का विषय है। ऐसे में प्रभावित ग्रामीणों की वास्तविक स्थिति, परियोजना के प्रभाव और उनके अधिकारों से संबंधित तथ्यों को सामने लाना महत्वपूर्ण होगा। सभा में इस विषय को उठाकर मोर्चा ने संकेत दिया कि आने वाले समय में वह इसे अपने प्रमुख जनमुद्दों में शामिल कर सकता है।

सुकमा में बड़ी सभा की तैयारी

सभा में आगामी दिनों में सुकमा जिले में बड़ी आमसभा आयोजित करने और क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर पदयात्रा निकालने की तैयारी पर चर्चा हुई। मोर्चा के पदाधिकारियों ने गांव-गांव पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं जानने, अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और प्रशासन के सामने मांगें रखने की बात कही। आठ पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी ने इस आयोजन को क्षेत्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण बनाया है। अब मोर्चा के सामने इस भागीदारी को निरंतर जनसंपर्क, ठोस मांगों और समस्याओं के समाधान से जोड़ने की चुनौती होगी। सुकमा में प्रस्तावित सभा और पदयात्रा के जरिए संगठन अपनी आगामी दिशा तय करने के साथ आदिवासी अधिकारों से जुड़े मुद्दों को व्यापक स्तर पर उठाने की तैयारी में है। बुर्कालंका की आमसभा ने जल-जंगल-जमीन, ग्रामसभा के अधिकार और पोलावरम डूबान जैसे सवालों को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

बस्तर में शराब दुकान निर्माण को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश



हरिभूमि न्यूज ⏭ बस्तर

नगर पंचायत बस्तर के देउरगांव वार्ड क्रमांक 6 में निर्माणाधीन शराब दुकान को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। सोमवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने एकजुट होकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा और निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पंचायत बस्तर अंतर्गत देउरगांव में शराब दुकान का निर्माण

- तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, एनएच-30 पर किया चक्काजाम

कार्य किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित जमीन मालिक द्वारा मौखिक रूप से यह कहा गया है कि उक्त निर्माणाधीन दुकान हैउस स्थान पर शराब दुकान के लिए बनाई जा रही है। आवासीय क्षेत्र और घनी आबादी के बीच शराब दुकान खुलने से स्थानीय नागरिकों, महिलाओं, युवाओं एवं आसपास के परिवारों पर सामाजिक दुष्प्रभाव पड़ेगा। इससे क्षेत्र की सामाजिक व्यवस्था, पारिवारिक वातावरण तथा जनहित से जुड़ी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। एसडीएम कार्यालय में ग्रामीणों ने तहसीलदार बस्तर को आवेदन सौंपा। आसपास की पंचायतों के ग्रामीण शामिल रहे। आवेदन की प्रतिलिपि कलेक्टर बस्तर और नगर पंचायत को भी दी गई है।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में स्पष्ट चेतावनी दी है कि उक्त निर्माणाधीन शराब दुकान को तत्काल प्रतिबंधित किया जाए, अन्यथा भविष्य में यदि दुकान खुलती है तो हम सभी वार्डवासी एवं आसपास के ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों द्वारा एसडीएम कार्यालय, नगर पंचायत कार्यालय का घेराव एवं नेशनल हाईवे 30 पर चक्का जाम करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

वहीं इस मामले में नगर पंचायत अध्यक्ष देवकी भद्रे ने भी मोर्चा खोल दिया है। अध्यक्ष देवकी भद्रे एवं समस्त पार्षदगणों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी बस्तर को पत्र लिखकर बस्तर क्षेत्र में मदिरा दुकान न खोलने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि बस्तर क्षेत्र अंतर्गत खुल रहे मदिरा दुकान से वे सहमत नहीं हैं, सामान्य सभा बैठक में इसकी अनुमति पारित भी नहीं हुई है और नगरवासी भी इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने दुकान खोलने की अनुमति न देने और इसे निरस्त करने की मांग की है।

बड़ांजी में शराब दुकान के विरोध में अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू

4 गांवों के ग्रामीण आज करेंगे चक्काजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



लोहंडीगुड़ा विकासखण्ड के ग्राम बड़ांजी में प्रस्तावित शराब दुकान खोलने के विरोध में ग्रामीणों का आंदोलन तेज हो गया है। ग्राम बड़ांजी 1, बड़ांजी 2, टाकरागुड़ा और बेलर के ग्रामीणों ने शराब दुकान खोलने के विरोध में अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया है। ग्रामीणों ने मांग पूरी नहीं होने पर 13 अक्टूबर से बेलर चौक के

- इंद्रावती नदी बचाओ संघर्ष समिति ने दिया समर्थन
- ग्राम सभा के प्रस्ताव की अनदेखी का आरोप

पास अनिश्चितकालीन चक्काजाम करने की चेतावनी दी है। इस आंदोलन को इंद्रावती नदी बचाओ संघर्ष समिति, जिला बस्तर ने समर्थन दिया है। अध्यक्ष पूरन सिंह कश्यप ने कहा कि 5वीं अनुसूची क्षेत्र में आदिवासी समाज की परंपराओं, ग्राम सभा के निर्णयों और संवैधानिक अधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए।

ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम सभा ने शराब दुकान नहीं खोलने के संबंध में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया है, इसके बावजूद दुकान खोलने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने प्रशासन से ग्रामीणों की भावनाओं को समझते हुए मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने और प्रस्तावित शराब दुकान की प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान संवाद और संवैधानिक तरीके से किया जाना चाहिए।

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन और आबकारी विभाग की ओर से लिखित जवाब नहीं मिला है। ग्रामीणों ने संविधान की 5वीं अनुसूची और पेसा कानून का हवाला देते हुए ग्राम सभा के निर्णय का सम्मान करने की मांग की है। उनका कहना है कि 2 गांवों के बीच शराब दुकान खोलने से क्षेत्र की सामाजिक व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं होने पर 13 अक्टूबर से बेलर चौक के पास अनिश्चितकालीन चक्काजाम किया जाएगा।

इसमें चारों गांवों के ग्रामीण शामिल होंगे। इंद्रावती नदी बचाओ संघर्ष समिति ने प्रशासन से ग्रामीणों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने और विवाद का शांतिपूर्ण समाधान निकालने की अपील की है। समिति ने कहा कि वह ग्रामीणों के संवैधानिक अधिकारों और सामाजिक हितों से जुड़े इस मुद्दे पर उनके साथ खड़ी रहेगी।

4 गांव के लोग कर रहे विरोध

समिति के मीडिया प्रभारी लक्ष्मण बघेल ने कहा कि ग्राम सभा के प्रस्ताव पर प्रशासन को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। 4 गांवों के ग्रामीण शराब दुकान खोलने का विरोध कर रहे हैं, इसलिए उनकी मांगों को गंभीरता से सुनना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इंद्रावती नदी बचाओ संघर्ष समिति ग्रामीणों के आंदोलन का समर्थन करती है और प्रशासन से शांतिपूर्ण समाधान निकालने की अपील करती है। आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और सामाजिक हितों की रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है। ग्रामीणों के अनुसार, 8 अक्टूबर को प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर शराब दुकान खोलने की प्रक्रिया रोकने की मांग की गई थी। इसके बाद से ग्रामीण शांतिपूर्ण धरने पर बैठे हैं।

रंग ए महफिल में गजलों से श्रोता हुए मुग्ध

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर





संगीत संस्था कलरव ने स्थानीय शौर्य भवन में रविवार को रंग ए महफिल की शानदार प्रस्तुति दी। कलाकारों द्वारा प्रस्तुत गजलों को सुनकर श्रोता मुग्ध हो गए।

- कलरव के कलाकारों ने गाए गजल व सुगम संगीत

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में मुख्य वन सरंक्षक जगदलपुर वन वृत्त सुश्री स्टाइलो मंडावी एवं अध्यक्षता कर रहे थे पुलिस अधीक्षक बस्तर शलभ कुमार सिन्हा। कलरव के संरक्षक एल पी सोनी व एडमिन आशा सोनी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर शलभ सिन्हा ने कलरव के कार्यों की प्रशंसा की उन्होंने शौर्य भवन को ऐसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए अनुकूल बताया जिसमें बस्तर की कला निखरे और जरूरत मंदो को मंच मिले वहीं सुश्री मंडावी ने शास्त्रीय संगीत की महत्ता पर प्रकाश डाला और संगीत को सुकून का आधार बताया।इसके बाद एक से बढ़कर एक गजल व सुगम संगीत पेश किए गए। कलाकारों में एल पी सोनी, आशा सोनी,डॉ कुमार विरेंद्र,सुषमा जे नेताम, रेशमा अली, निशांत मिश्रा व अफजल अली ने भी अपने गीत प्रस्तुत किए जिनमे श्री सोनी ने जगजीत सिंह के माता भजन से शुरूआत की फिर तुझसे नाराज नहीं, नदिया किनारे, मेरा कुछ सामान, चिठ्ठी ना कोई संदेश, करोगे याद, गरज बरस, दिल ढूढ़ता है, गहरे हल्के, हमें तुमसे प्यार, आप यूं फासलो, तुमको देखा तो, किसी नजर को, चमकते चाँद, तुम्हे देखती हूं, चिठ्ठी आई है...जैसे नगमो से श्रोता अंत तक बंधे रहे। श्रीमती सिन्हा ने झुकी झुकी सी नजर गाकर श्रोताओं का दिल जीत लिया वहीं श्री सिन्हा व सुश्री मंडावी ने भी अपनी गायकी से खासा प्रभावित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन गायत्री आचार्य ने किया जबकि कलरव के कलाकारों को डॉ ज्योति लागू ने स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

इस अवसर पर गीत गजल के अलावा शहर के कलाकारों का सम्मान भी किया गया। विपिन बिहारी दास, रतन व्यास व संध्या वैष्णव कला मनीषी तथा दीपक वाधवानी, विश्वजीत साहा, बलराज शर्मा, वंदना पॉल, एम बी मंजूषा, शैलेश जारी, आर के नायडू अतिथियों के हाथों कला चेतना सम्मान से नवाजे गए।

कलश स्थापना के साथ मां दुर्गा की पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोन्टा



शारदीय नवरात्रि उत्सव के पावन अवसर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 217वीं वाहिनी, कोंटा के सर्वधर्म प्रार्थना स्थल स्थित मंदिर परिसर में विजय शंकर कमांडेंट के द्वारा कलश स्थापना एवं माँ दुर्गा की श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना की गई।

नवरात्रि के शुभारंभ पर मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों ने माँ दुर्गा से सभी के जीवन में सुख, शांति, शक्ति एवं सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने की प्रार्थना की। इस धार्मिक अवसर ने जवानों के बीच आध्यात्मिक चेतना, आपसी सौहार्द, एकता एवं भाईचारे की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया। 217वीं वाहिनी सीआरपीएफ, कोंटा की ओर से समस्त देशवासियों को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए। माँ दुर्गा की कृपा बनाए रखने तथा देश में सुख, शांति एवं समृद्धि का संचार करने की कामना की गई ।

इस अवसर पर 217वीं वाहिनी के कमांडेंट विजय कुमार, मुरुगनाथन, सहायक कमांडेंट (मंत्रा) सहित अधिकारीगण एवं जवान उपस्थित रहे।

एनएमडीसी डीएवी पॉलिटेक्निक की जल रक्षक टीम ने जीता स्वर्ण पदक



हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

एनएमडीसी डीएवी पॉलिटेक्निक गीदम दंतेवाड़ा के विद्यार्थियों की 'जल रक्षक' क्वालिटी सर्कल टीम ने भिलाई में आयोजित 17वें अध्याय सम्मेलन ऑन क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया। यह सम्मेलन 10 व 11 अक्टूबर को शंकराचार्य

- सर्कल फोरम ऑफ इंडिया में आयोजित किया गया कार्यक्रम

तकनीकी परिसर, भिलाई में क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया के भिलाई चैप्टर द्वारा आयोजित किया गया था।

सम्मेलन की थीम सतत विकास और आत्मनिर्भरता के लिए गुणवत्ता के साथ नेतृत्व रही। प्रतियोगिता में जल रक्षक टीम ने स्वचालित जल-स्तर निगरानी एवं पंप नियंत्रण प्रणाली विषय पर अपना क्वालिटी इंप्रूवमेंट प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। परियोजना का मुख्य उद्देश्य पानी की बर्बादी को रोकना, ओवरहेड टैंक के अनावश्यक ओवरफ्लो को समाप्त करना, पंप के अनावश्यक संचालन से होने वाली विद्युत ऊर्जा की खपत को कम करना तथा जल स्तर की स्वचालित निगरानी एवं नियंत्रण की व्यवस्था विकसित करना था। टीम ने समस्या की पहचान से लेकर उसके कारणों का विश्लेषण, समाधान का विकास, प्रोटोटाइप तैयार करने तथा उसके परीक्षण तक की पूरी प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों द्वारा क्वालिटी सर्कल की समस्या-समाधान पद्धति, टीमवर्क, डेटा आधारित विश्लेषण एवं पीडीसीए आधारित सुधार प्रक्रिया का उपयोग करते हुए विकसित समाधान ने निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया। इस उपलब्धि में मिस एस. वंशिका पीडी रेड्डी टीम लीडर, मिस्टर आकाश कुमार उप टीम लीडर तथा मिस कृषा होंताली टीम सदस्य के रूप में शामिल रहीं।

टीम के मार्गदर्शक डॉ. ऋतुराज चंद्राकर व्याख्याता मैकेनिकल रहे, जबकि संस्थान के प्राचार्य डॉ. मुकेश ठाकुर ने समन्वयक के रूप में मार्गदर्शन किया। सम्मेलन में गुणवत्ता सुधार प्रकल्पों का मूल्यांकन प्रकल्प प्रस्तुतीकरण, मौखिक प्रस्तुति तथा ज्ञान परीक्षण के आधार पर किया गया।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिनिधित्व

स्वर्ण पदक प्राप्त करने के साथ 'जल रक्षक' टीम राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए पात्र हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आगामी प्रतियोगिता वियतनाम में आयोजित होगी, जहां टीम अंतरराष्ट्रीय मंच पर संस्थान का प्रतिनिधित्व करेगी। इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. मुकेश ठाकुर ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों द्वारा वास्तविक जीवन की समस्या को पहचानकर उसके लिए तकनीकी समाधान विकसित करना अत्यंत सराहनीय है। इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में गुणवत्ता की संस्कृति, नवाचार, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व को विकसित करती हैं। संस्थान की इस उपलब्धि से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समस्त स्टाफ में हर्ष का माहौल है।

उत्कृष्ट कार्य के लिए दंतेवाड़ा जिले को मिला राष्ट्रीय सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा



कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों और किसानों की उन्नति के लिए किए जा रहे प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले को श्रेष्ठता का प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया है।

कलेक्टर के नेतृत्व को मिली पहचान

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के मार्गदर्शन में जिले में कृषि विकास और किसान कल्याण से जुड़े प्रयासों को लगातार गति दी जा रही है। यह सम्मान कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने, किसानों की प्रगति सुनिश्चित करने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों का परिणाम है।

योजना का उद्देश्य और महत्व

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का मुख्य उद्देश्य कृषि उत्पादकता में वृद्धि करना, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करना और किसानों को बेहतर कृषि संसाधन उपलब्ध कराना है। जनजातीय बहुल दंतेवाड़ा जिले के लिए यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है, जो ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने के साथ-साथ किसानों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में मददगार साबित होगी। देश के 100 आकांक्षी (कमजोर या पिछड़े) कृषि जिलों में खेती की स्थिति में सुधार लाना, उत्पादकता बढ़ाना और किसानों की आय में वृद्धि करना है। जिलों की पहचान कम उत्पादकता, कम फसल सघनता (क्रॉप इंटेंसिटी) और कमजोर कृषि ऋण (केसीसी) वितरण प्रणाली के आधार पर की गई है। हर खेत तक सिंचाई पहुंचाना, पंचायत और ब्लॉक स्तर पर भंडारण (वेयरहाउस) क्षमता बढ़ाना, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना और आसान एवं सस्ता ऋण उपलब्ध कराना है। यह सम्मान कृषि विभाग के अधिकारियों, मैदानी अमले और कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों की सराहना है, जो कृषि को अधिक उत्पादक और लाभकारी बनाने के संकल्प को और मजबूत करता है।

खबर संक्षेप

9 परिवारों को 36 लाख की सहायता स्वीकृत

जगदलपुर। कलेक्टर आकाश छिकारा ने प्राकृतिक आपदा के शिकार हुए नौ परिवारों को कुल 36 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। इसके तहत प्रत्येक पीड़ित परिवार को चार-चार लाख रुपये की राशि दी जाएगी। आर्थिक सहायता पाने वालों में तालाब और कुएं में डूबने से मृत सनपती की पत्नी राबती, चैती के पति मनु भारती, प्रहलाद के पिता कमलुराम, रामबती के पुत्र सोनाधर, दशमी के पुत्र याकूब और सहादेव के पिता दशरू नाग को सहायता मिलेगी। वहीं सर्पदंश से मृत मनमती के पति वासुदेव, डोले के देवर बुधु और गाज गिरने से मृत दशमी के पति घेनुराम को राहत राशि प्रदान की गई है।

शराब दुकान का दरवाजा तोड़कर शराब मांगने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार



जगदलपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के धरमपुरा स्थित शराब दुकान का दरवाजा तोड़कर अवैध रूप से शराब मांगने, गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने वाला हिस्ट्रीशीटर आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घटना के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।
मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन, एएसपी सुखनंदन राठौर व सीएसपी सुमित कुमार के निर्देश में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीआई कोतवाली लीलाधर राठौर के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। मामले की रिपोर्ट दर्ज कराते हुए दुकान के मैनेजर ने बताया कि 10 अक्टूबर की रात्रि लगभग 10 बजे शराब दुकान बंद होने के बाद वह कार्यालयीन कार्य कर रहा था। इसी दौरान राजा ध्रुव 34 वर्ष निवासी तेतरखुटी, छत्रपति शिवाजी वार्ड क्रमांक 35 वहां पहुंचा और दुकान के बंद दरवाजे पर लात मारकर उसे तोड़ते हुए अंदर प्रवेश किया। आरोपी द्वारा दुकान बंद होने की जानकारी दिए जाने के बावजूद अवैध रूप से शराब की मांग की गई तथा शराब देने से मना करने पर आरोपी ने दुकान में मौजूद मैनेजर एवं अन्य कर्मचारियों के साथ अश्लील गाली-गलौज की तथा जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट करने पर उतारू हो गया। मैनेजर की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 351(2), 331(4) एवं 119 (1) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। विवेचना के दौरान प्रार्थी एवं गवाहों के कथन दर्ज किए गए तथा अन्य साक्ष्य एकत्रित कर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी राजा ध्रुव को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया। मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। टीआई ने बताया कि आरोपी पुराना हिस्ट्रीशीटर है तथा उसके खिलाफ कई मामले दर्ज है। आरोपी के खिलाफ त्वरित कार्रवाई में निरीक्षक लीलाधर राठौर के अलावा एसआई अरूण मरकाम, प्रमोद ठाकुर, रानी सोनी, प्रधान आरक्षक विनोद चांदने, आरक्षक भीम मंडावी, टामन बघेल, हरीश कश्यप व राजू की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बस्तर पुलिस ने अपील करते हुए कहा कि जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है। किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि, धमकी, मारपीट अथवा असामाजिक व्यवहार की सूचना तत्काल नजदीकी पुलिस थाना को दें। कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

एआई के दौर में किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक कौशल भी जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

शमक विवि में बीबीए, एमबीए और वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान



शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की व्यवसायिक प्रबंधन अध्ययनशाला द्वारा शुक्रवार को बीबीए, एमबीए एवं वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में बिजनेस और कॉमर्स को समझना और चलाना विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बदलते व्यावसायिक परिवेश, करियर निर्माण, उद्यमशीलता और व्यावहारिक कौशल के महत्व से अवगत कराया। मुख्य वक्ता रुंगटा इंटरनेशनल स्किल यूनिवर्सिटी, भिलाई के प्रबंधन एवं वाणिज्य अध्ययनशाला के निदेशक प्रो. मनोज वर्गीज ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के दौर में केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है। सफलता के लिए स्पष्ट लक्ष्य, सकारात्मक दृष्टिकोण, आत्मविश्वास, अनुशासन और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने पिग्मेलियन सिद्धांत का उल्लेख करते हुए सकारात्मक अपेक्षाओं और सही मानसिकता को बेहतर प्रदर्शन का आधार बताया। खरगोश-कछुए की कहानी के माध्यम से धैर्य, निरंतरता और समय प्रबंधन का महत्व समझाया। प्रो. ओपी गुप्ता ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने तथा आत्मनिर्भर बनने की सलाह दी। उन्होंने स्थानीय दुकानों और छोटे व्यापारिक प्रतिष्ठानों का अवलोकन कर ग्राहक व्यवहार, विपणन, बिक्री और ग्राहक संतुष्टि की बारीकियां सीखने पर जोर दिया। उन्होंने इंटर्नशिप और अंशकालिक कार्य को भी उपयोगी बताया।

तकनीकी ज्ञान के साथ टीमवर्क जरूरी

डॉ. समीर ठाकुर, अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने स्पष्ट लक्ष्य, सकारात्मक सोच और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति अपनाने का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि एआई के दौर में तकनीकी ज्ञान के साथ संचार, निर्णय क्षमता, समस्या समाधान और टीमवर्क भी जरूरी हैं। कार्यक्रम में शिवम सोनवानी, डॉ. अनिल कुमार भारद्वाज, डॉ. सृष्टि चांडक, डॉ. लक्ष्मण और डॉ. उज्ज्वल उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

टीम मंथन इंटरनेशनल कन्वेंशन के लिए चुनी गई

नगरनार स्टील प्लांट की 6 में से पांच क्वालिटी टीमों ने जीता गोल्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर



- दिग्गज स्टील कंपनियों को दी कड़ी टक्कर

एनएमडीसी स्टील लिमिटेड के नगरनार स्टील प्लांट की टीम मंथन ने सीसीक्यूसी भिलाई इवेंट में शानदार प्रदर्शन किया। प्लांट की कोक ओवन बैटरी के अधिकारियों से बनी टीम मंथन को सीसीक्यूसी भिलाई कन्वेंशन में 'बेस्ट टीम' चुना गया और उसने ₹गोल्ड अवार्ड₹ तथा ₹टॉप नॉलेज टेस्ट स्कोरर अवार्ड₹ जीता। अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर जनवरी में दुबई में होने वाले ऑफशोर क्वालिटी कन्वेंशन में भी अपनी जगह पक्की कर ली है।सीसीक्यूसी में एनएमडीसी स्टील की कुल 6 क्वालिटी सर्कल टीमों ने हिस्सा लिया, जिनमें से पांच ने गोल्ड और एक टीम ने सिल्वर मेडल जीता। एनएसएल की 5 गोल्ड जीतने वाली टीमें प्रतिष्ठित 40वें नेशनल कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स में मुकाबला करने के लिए आधिकारिक तौर पर चुनी गई हैं। यह नेशनल इवेंट 26 से 29 दिसंबर को भुवनेश्वर में आयोजित किया जाएगा।एनएसएल की टीमों की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि उन्हें स्टील इंडस्ट्री के सभी बड़े नामों सहित कई प्रमुख इंडस्ट्रीज से कड़ी टक्कर मिली थी। एनएसएल की टीम मंथन ने जेएसडब्ल्यू, टाटा स्टील, सेल, आर्सेलर मित्तल-निप्पॉन स्टील, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, नॉल्को, बॉल्को, एनटीपीसी और भेल जैसी भारत की प्रमुख कंपनियों की 220 से ज़्यादा टीमों के साथ मुकाबला करते हुए यह सम्मान हासिल किया।नगरनार स्टील प्लांट के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और हेड प्रमोद कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए टीम के प्रदर्शन का श्रेय एनएसएल के मज़बूत क्वालिटी कल्चर और वर्कप्लेस की चुनौतियों की पहचान करने, नए समाधान विकसित करने और ऑपरेशनल एक्सीलेंस को मज़बूत करने के प्रति कर्मचारियों के समर्पण' को दिया है।

मां दुर्गा की स्थापना, नवरात्रि महोत्सव का हुआ शुभारंभ



हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपालपटनम

- सार्वजनिक नवदुर्गा समिति ने की विधि-विधान से पूजा-अर्चना सैकड़ों श्रद्धालु हुए शामिल

नगर में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना धूमधाम और भक्तिभाव के साथ की जा रही है। सार्वजनिक नवदुर्गा समिति द्वारा कृष्णा पामभोई क्लब में विधि-विधान के साथ मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण देखने को मिल रहा है।
पूजा-अर्चना में नगर के सैकड़ों महिला-पुरुष शामिल होकर माता रानी का आशीर्वाद ले रहे हैं। मां दुर्गा की स्थापना के साथ ही पूरे नगर में नवरात्रि महोत्सव का उल्लास छा गया है। श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन कर क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। 9 दिनों तक चलने वाले इस आस्था के महापर्व को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह और उमंग का माहौल बना हुआ है।
नवरात्रि के प्रथम दिन पूजा-अर्चना में यजमान के रूप में उगेंद्र वासम ने विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा की। वे वर्षों से इस धार्मिक जिम्मेदारी को पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ निभाते आ रहे हैं। पूजा-अर्चना के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजन में प्रतिदिन सुबह-शाम महाआरती और विशेष अनुष्ठान किए जा रहे हैं, जिसमें शामिल होने के लिए आस-पास के क्षेत्रों से भी लोग लगातार पहुंच रहे हैं।

चार दशकों से सामूहिक सहभागिता

नगर में सार्वजनिक नवदुर्गा समिति द्वारा नवरात्रि महोत्सव का आयोजन लगभग 40 वर्षों से किया जा रहा है। वर्षों से चली आ रही इस पावन धार्मिक परंपरा में स्थानीय नगरवासी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की आराधना के साथ श्रद्धालुओं में धार्मिक आस्था, उत्साह और सामूहिक सहभागिता का विशेष माहौल रहता है। नगरवासियों के सहयोग और श्रद्धालुओं की सक्रिय भागीदारी से यह भव्य आयोजन स्थानीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का गौरवशाली हिस्सा बन गया है।

शारीरिक स्वास्थ्य की तरह मानसिक सेहत का ख्याल रखना भी जरूरी



हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

- रोल-प्ले और पोस्टर प्रतियोगिता के जरिए दिया संदेश
- मेकाज में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम

डिमरापाल स्थित मेडिकल कॉलेज में शनिवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मेकाज अधीक्षक डॉ. अनुरूप साहू, डॉ. केएल आजाद एवं डॉ. प्रदीप पांडे ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह हम अपने शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखते हैं, उसी तरह मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखना भी बेहद जरूरी है। मानसिक परेशानी को नजरअंदाज करने के बजाय समय पर पहचान कर उचित परामर्श और उपचार लेना चाहिए। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम में रोल-प्ले और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने नशे के दुष्परिणामों और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विषयों को रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और उपस्थित लोगों के लिए कई रोचक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। इमोशनल ट्री के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपनी भावनाओं को व्यक्त किया, वहीं फोटो बूथ में यादगार तस्वीरें ली गईं। मिथ्स एंड फैक्ट्स गतिविधि के जरिए मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया गया। इसके अलावा माइंडफुलनेस गतिविधि में मानसिक शांति और एकाग्रता बढ़ाने के अभ्यास कराए गए। कार्यक्रम में मनोरोग विभाग की मुख्य मनोचिकित्सक डॉ. मरियम वलसला, डॉ. डेबी अब्राहम, डॉ. प्रिस्टी, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, साइकियाट्रिक सोशल वर्कर डॉ. सरोज पांडे, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट यामिंशा जॉन सहित अन्य डॉक्टर, अधिकारी, कर्मचारी एवं चिकित्सा छात्र उपस्थित रहे।

दुनिया से जाते-जाते 2 जिंदगियों में भर गए रोशनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर



- शहर के 79 वर्षीय नानजी भाई चोपड़ा के परिजनों ने नेत्रदान कर पेश की मिसाल

राजीव गांधी वार्ड निवासी 79 वर्षीय बुजुर्ग स्वर्गीय नानजी भाई चोपड़ा की इच्छा थी कि सांसें थमने के बाद भी उनकी आंखें किसी की जिंदगी का सहारा बनें। पुत्र हितेश ने नेत्रदान के लिए स्वास्थ्य अमले को सूचना दी। कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम की जिला नोडल अधिकारी सह नेत्र सर्जन डॉ. सरिता निर्मल के नेतृत्व में टीम चोपड़ा मेंशन पहुंची। सहायक नेत्रदान अधिकारी सुंकर अमृत राव, नेत्र सहायक अधिकारी द्वय कुमारी गायत्री कामडी व रैयमन बघेल, मेडिकल कॉलेज के पीजी डॉक्टर्स डॉ. विनीत, डॉ. प्रियंका, डॉ. सतीश और सचिवीय सहायक रोहित देवांगन ने कॉर्निया सुरक्षित प्राप्त करने की प्रक्रिया पूरी की। 2 जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को नई रोशनी मिलने की राह खुल गई है।

डोंगाम में वन अधिकार पट्टों और राजस्व रिकॉर्ड की जांच हो : नवनीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर



- 30 दिन में जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग
- एसडीएम से चर्चा कर सौंपा ज्ञापन

ग्राम पंचायत जाटम के आश्रित ग्राम खासापारा डोंगाम में वन अधिकार पट्टों, वास्तविक भूमि कब्जे तथा राजस्व अभिलेखों में कथित विसंगतियों को लेकर बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के मुख्य संयोजक एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश उपाध्यक्ष नवनीत चांद ने निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की मांग उठाई। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), से चर्चा कर ज्ञापन सौंपते हुए संबंधित परिवारों को न्याय दिलाने तथा अभिलेखों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं के अनुसार, संबंधित परिवार लंबे समय से विवादित भूमि पर कृषि एवं आजीविका के लिए निर्भर हैं। ऐसे में वन अधिकार पट्टों, वास्तविक कब्जे और खसरा नंबर 127, 122, 123, 125 एवं 928 से जुड़े पुराने और वर्तमान राजस्व अभिलेखों की तुलना आवश्यक है। कथित त्रुटि-सुधार, नामांतरण एवं भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया किन दस्तावेजों और सक्षम अधिकारियों के आदेशों के आधार पर पूरी की गई, इसकी जांच होनी चाहिए।जांच में किसी भी प्रकार की अनियमितता, कूटरचना अथवा पद के दुरुपयोग की पुष्टि होने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की गई।

पात्र परिवार को न्याय मिले

चांद ने कहा "हमारी मांग स्पष्ट है खासापारा डोंगाम प्रकरण की निष्पक्ष जांच हो, पुराने और वर्तमान रिकॉर्ड का मिलान हो, वास्तविक कब्जे की सच्चाई सामने आए और 30 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट पर जवाबदेही तय हो। यदि कोई दोषी पाया जाता है तो कार्रवाई हो और यदि किसी पात्र परिवार के अधिकार प्रभावित हुए हैं तो उसे कानून के अनुसार न्याय मिले। बस्तर के ग्रामीणों और आदिवासी परिवारों के अधिकारों की रक्षा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

जांच में दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाही हो

विधानसभा कार्यकारी अध्यक्ष ओम मरकाम एवं ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष रामू नाग ने संयुक्त रूप से कहा कि ग्रामीणों और आदिवासी परिवारों के भूमि एवं वन अधिकारों से जुड़े मामलों में प्रशासन की जवाबदेही तय होनी चाहिए। यदि रिकॉर्ड और वास्तविक कब्जे में अंतर है, तो उसका कारण स्पष्ट किया जाए। पात्र परिवारों के अधिकारों की रक्षा हो तथा जांच में दोषी पाए जाने वालों पर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए।

जवाहर नवोदय विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर संवादात्मक सत्र का आयोजन

तकनीक के दौर में नौकरी ही नहीं, स्टार्टअप से खुद उद्यमी बनें बेटियां : चन्द्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर



अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जवाहर नवोदय विद्यालय, जगदलपुर में विज्ञान ज्योति योजना के अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित) में करियर की संभावनाओं को लेकर विशेष संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। इसमें छात्राओं को तकनीक के बदलते स्वरूप, भविष्य में एआई की भूमिका और इससे जुड़े रोजगार एवं उद्यमिता के अवसरों की जानकारी दी गई। यह आयोजन भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की विज्ञान ज्योति योजना के उद्देश्यों के अनुरूप छात्राओं को विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रही।
कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर एप्लीकेशन्स विभाग के अध्यक्ष डॉ. तेज बहादुर चन्द्रा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग अब दैनिक जीवन से लेकर शिक्षा, व्यवसाय और विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों तक तेजी से बढ़ रहा है। आने वाले समय में एआई से जुड़े कौशल की मांग और अधिक बढ़ेगी। ऐसे में छात्राओं को समय के साथ तकनीकी ज्ञान और नए कौशल विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने छात्राओं को केवल नौकरी प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहने, बल्कि अपनी रचनात्मक सोच, ज्ञान और नवाचार के माध्यम से उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया। स्टार्टअप के माध्यम से स्वयं रोजगार के साथ दूसरों के लिए भी अवसर बनाए जा सकते हैं। संवादात्मक सत्र के बाद छात्राओं के लिए एसटीईएम गतिविधियों एवं विज्ञान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं को प्रयोगात्मक गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान को समझने और अपनी रचनात्मकता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के साथ उन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उच्च शिक्षा और करियर चुनने के लिए प्रेरित करना रहा। यह आयोजन प्रभारी प्राचार्य योगेंद्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें विद्यालय समन्वयक आकाश शुक्ला की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

